एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

सोमवार, 10 अगस्त 2026

Page No. 06 : Middle

सुरों के श्याम में बही भक्ति की रसधार, झूम उठे श्रोता

रिद्धिमा में भजन गाते कलाकार। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• रिद्धिमा में कृष्ण भक्ति को समर्पित कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को सुरों के श्याम में गायन गुरुओं व शिष्यों ने भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित गीतों से सभी को भावविभोर किया।

कार्यक्रम का आरंभ गीत 'जमुना किनारे मोरा गांव' से हुआ। इसे अपने सुर स्वरों में गायन गुरु प्रियंका ग्वाल और रजनी अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। गायन के विद्यार्थी काव्या, जारा और चंदन ने 'राधा कैसे न जले' गीत को अपनी आवाज देकर श्री कृष्ण के प्रति राधा के उलाहनों की कहानी सुनाई। वाद्ययंत्र गुरु पवन भारद्वाज ने 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन' को प्रस्तुत कर वाहवाही हासिल की। गायन के विद्यार्थी आदित्य और अंशुमा ने गीत 'तुम प्रेम हो' और विद्यार्थी श्रेया ने गीत 'एक राधा एक मीरा' को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया। गायन गुरु सात्विक मिश्रा ने गीत 'याद है कुछ भी तुम्हारी', गुरु प्रियंका ग्वाल ने गीत 'कन्हैया गोपाला' को जहां अलग अलग प्रस्तुत कर श्रोताओं की वाहवाही हासिल की तो वहीं गीत 'बाजे रे मुरलिया बाजे' को एक साथ पेश किया किया। संचालन अरुणा गंगवार ने किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ.प्रभाकर गुप्ता, डॉ.अनुज कुमार, डॉ.शैलेश सक्सेना, डॉ.रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।